डाक पंजीयन क्रमांक - म.प्र./भोपाल/357/2021-23

मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967

# मध्यप्रदेश सहकारी समाचार

मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ भोपाल का प्रकाशन

Website : www.mpscu.in
E-mail : rajyasanghbpl@yahoo.co.in

हिन्दी/पाक्षिक

प्रकाशन 16 सितम्बर, 2023, डिस्पेच दिनांक 16 सितम्बर, 2023

| वर्ष 67 | अंक 08 | भोपाल | 16 सितम्बर, 2023 | पृष्ठ 8 | एक प्रति 7 रु. | वार्षिक शुल्क 150/- | आजीवन शुल्क 1500/- |

## मध्यप्रदेश में शुरू होगा पहला सहकारिता विश्वविद्यालय : सहकारिता मंत्री

### माननीय सहकारिता मंत्री के कर कमलों से -

- सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर के नवीन भवन का डिजिटल लोकार्पण।
- सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल, इंदौर, नौगांव में सामान्य सुविधा केन्द्र (सीएफसी) का डिजिटल भूमिपूजन एवं शिलान्यास।
- सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में एम्पोरिया का डिजिटल भूमिपूजन एवं शिलान्यास।
- भारत सरकार द्वारा जारी आर्टीजन्स कार्ड का वितरण।
- वृहद हस्तशिल्प क्लस्टर विकास योजना परियोजना की पुस्तिका का विमोचन।
- पैक्स संस्थाओं के लिए तैयार किये गये पैक्स मैन्यूअल 2022 का विमोचन।

**भोपाल :** मध्यप्रदेश में पहला सहकारिता विश्वविद्यालय शुरू होगा। सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविन्द सिंह भदौरिया ने भोपाल में वृहद हस्तशिल्प क्लस्टर विकास परियोजना के शुभांरभ कार्यक्रम में यह जानकारी दी।

सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने बताया कि पिछले दिनों दिल्ली में केन्द्रीय सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह की अध्यक्षता में हुई एक बैठक में सहकारिता विश्वविद्यालय की स्थापना करने पर हुई चर्चा में मध्यप्रदेश के इंदौर अथवा भोपाल में विश्वविद्यालय शुरू करने के उनके प्रस्ताव पर सैद्धतिक स्वीकृति प्रदान की गई। बहुत जल्द ही मध्यप्रदेश में सहकारिता विश्वविद्यालय शुरू होगा। विश्वविद्यालय में सहकारिता क्षेत्र के अनेक विषयों के पाठ्यक्रमों को पढ़ाया जायेगा और सहकारिता संबंधी अनुसंधान भी होगा।

मंत्री डॉ. भदौरिया ने कहा कि देश में आजादी के बाद पहली बार प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सहकारिता आंदोलन को मजबूती देते हुए केन्द्रीय सरकार में सहकारिता मंत्रालय शुरू किया है। मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में राज्य सरकार का उद्देश्य भी अधिक से अधिक लोगों को सहकारिता आंदोलन से जोड़कर उन्हें लाभांवित करना है।

मंत्री डॉ. भदौरिया ने राज्य सहकारी संघ के विभिन्न तकनीक और कौशल में प्रशिक्षण देने के कार्यक्रम की सराहना की। उन्होंने सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र जबलपुर के नवीन भवन, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र भोपाल, इंदौर और नौगांव में समान्य सुविधा केन्द्र, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर में एम्पोरिया का डिजिटल भूमि-पूजन और शिलान्यास किया। आर्टीजन्स कार्ड का वितरण किया और वृहद हस्तशिल्प कलस्टर विकास परियोजना की पुस्तिका और पैक्स संस्थाओं के लिए तैयार पैक्स मैन्यूअल 2022 का विमोचन किया।

राज्य संघ के पूर्व अध्यक्ष श्री अरूण सिंह तोमर, भारतीय राष्ट्रीय सहकारी संघ नई दिल्ली के संचालक एवं ईफको के प्रतिनिधि द्वारा अपने उद्बोधन में सम्बोधित किया गया कि सहकारी सिद्धांतों एवं सहकारी नीतियों के अनुकूल संघ द्वारा प्रदेश के सहकारी आन्दोलन को गति प्रदान करने के सम्बन्ध मे विभिन्न रचनात्मक कार्य किये गये हैं जो सराहनीय है। संघ द्वारा अपने प्रशिक्षण केन्द्रों के माध्यम से विभिन्न सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारियों/सदस्यों/कर्मचारियों को गुणवत्ता युक्त शिक्षण, प्रशिक्षण प्रदान कर प्रदेश के सहकारी आन्दोलन को सशक्त बनाने मे अहम भूमिका निभाई गई हैं, जिसके लिए यहॉ के अधिकारी/कर्मचारी धन्यवाद के पात्र है। वर्तमान मे संघ द्वारा वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के अंतर्गत प्रारंभ की जा रही सीएचसीडीएस परियोजना का भी क्रियान्वयन किया जा रहा है, जो कि एक बहुत ही महत्वपूर्ण कदम है। इससे जहॉ एक ओर संघ की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी वहीं दूसरी ओर हस्तशिल्प कलां से जुडे हुए शिल्पकारों को रोजगार प्राप्त होगा तथा नये शिल्पियों को प्रशिक्षित कर उन्हें भी उनके कौशल विकास का उन्नयन कर उन्हें शिल्प कलां से पारंगत किया जावेगा, जो सहकारिता से स्व-रोजगार की दिशा मे किया गया कार्य सहकारिता के माध्यम से नवाचार होगा।

प्रबंध संचालक श्री ऋतुराज रंजन ने उद्बोधन में कहां कि भारत सरकार एवं मध्यप्रदेश शासन की योजनाओं और नीतियों के अनुसार संघ व्दारा कई अभिनव एवं उपयोगी कदम उठाये गये हैं जिसमें देश की प्रथम सहकारिता नीति का निर्माण, बहुमूल्य विभागीय प्रकाशनों , कार्य मैन्युअलों का प्रकाशन एवं माननीय मुख्यमंत्री जी की मंशा अनुरूप नये क्षेत्रों में सहकारिता के विस्तार हेतु प्रयास करना शामिल है। लगभग दो वर्ष पूर्व माननीय मुख्यमंत्री जी के उदबोधन से प्रेरित होकर संघ व्दारा नये क्षेत्र में सहकारिता के विस्तार हेतु भारत सरकार, वस्त्र मंत्रालय से 6000 से अधिक हस्तशिल्प कारीगरों के कौशल उन्नयन एवं आय संवर्धन की महत्वाकांक्षी योजना सीएचसीडीएस स्कीम पर स्वीकृति प्राप्त की गई जिसकी समय सीमा 2 वर्ष एवं कुल स्वीकृत लागत 22 करोड़ रू. है जिसका शुभारम्भ माननीय सहकारिता मंत्री जी व्दारा किया गया है। इस परियोजना में हम प्रदेश के 12 जिलों अथवा संकुलों में स्थित शिल्पियों को सहकारिता के माध्यम से संगठित कर उनके कौशल उन्नयन और आय संवर्धन हेतु विभिन्न गतिविधियां भोपाल, इन्दौर, उज्जैन, ग्वालियर, गुना, छतरपुर, बालाघाट, नर्मदापुरम, सिहोर, धार, जबलपुर, मण्डला में संचालित कर रहे हैं। इस स्कीम के तहत संघ के प्रशिक्षण केन्द्रों- भोपाल, इन्दौर और नौगांव में सामान्य सुविधा केन्द्र का निर्माण, इन्दौर में शिल्प उत्पादों के विक्रय हेतु इम्पोरिया का निर्माण, चिन्हित शिल्पियों एवं उनके उत्पादों को बाजार से लिन्केज प्रदान कर उनकी आय को बढ़ाना है। हमें विश्वारस है कि इस परियोजना के क्रियान्वयन से प्रदेश के सभी जिलों में इसी प्रकार की नवाचार आधारित गतिविधियों को बढ़ावा देने का प्रोत्साहन मिलेगा और भविष्य में सभी 12 जिलों में कारीगर सदस्यों की संख्या बढ़ाकर 30,000 तक पहुंच सकेगी जिनमें हमारा मुख्य फोकस शिल्पी बहनों पर होगा।

मुझे यह सूचित करते हुए हर्ष का अनुभव हो रहा है कि संघ को हाल ही में 4 और बड़ी उपलब्धियां हासिल हुई है जिसमें पहली उपलब्धि है पैक्स के तकनीकी प्रशिक्षण हेतु नाबार्ड की मान्यता प्राप्त होना। दूसरी पी.एम. दक्ष योजनान्तर्गत भारत सरकार व्दारा नोडल प्रशिक्षण एजेंसी के रूप में मान्यता प्राप्त होना, तीसरा है मैनेज हैदराबाद एवं कृषि मंत्रालय व्दारा कृषि इनपुट डीलरों के डिप्लोमा - डायसी प्रशिक्षण हेतु मान्यता प्राप्त होना तथा चौथी उपलब्धि है बिहार सरकार सहकारिता विभाग के 50 नवनियुक्त सहकारी निरीक्षकों के त्रैमासिक आधारभूत प्रशिक्षण का अनुरोध प्राप्त होना।

संघ अपनी तमाम सीमाओं के बावजूद प्रदेश में सहकारी आन्दोलन को सशक्त बनाने की दिशा में अपना योगदान देने हेतु सतत प्रयत्नशील है और मुझे विश्वास है कि इस महत्वपूर्ण कार्य में हम मध्यप्रदेश शासन और आप सभी सहकारी बंधुओं के सहयोग और आशीर्वाद से अवश्य सफल होंगे।

सहकारिता मंत्री डॉ. भदौरिया ने कार्यक्रम के अंत में हस्तशिल्प उद्यमियों के उत्पादों का अवलोकन किया और उनसे चर्चा की।

# राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने डिंडोरी की कृषक श्रीमती लहरी बाई को किया सम्मानित

## पादप जीनोम संरक्षक किसान सम्मान मिला

**भोपाल :** राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने डिंडोरी की कृषक श्रीमती लहरी बाई को आज श्रीअन्न प्रजातियों के संरक्षण और संवर्धन के लिए वर्ष 2021-22 का 'पादप जीनोम संरक्षक किसान सम्मान' प्रदान किया। श्रीमती लहरी बाई को कृषक अधिकार वैश्विक संगोष्ठी के अलंकरण समारोह में सम्मान स्वरूप 1,50,000 रुपये की नकद राशि, प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिन्ह प्रदाय किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नई दिल्ली के सी. सुब्रामण्यम ऑडिटोरियम में हुआ। इसमें केंद्रीय कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्री श्री नरेंद्र सिंह तोमर उपस्थित थे।

डिंडोरी जिले की बजाग तहसील निवासी श्रीमती लहरी बाई ने बैगा समुदाय की सहायता से कोदो, कुटकी, सांवा, काग, सिकिया, मडुआ जैसे दुर्लभ श्रीअन्न प्रजातियों का सीड बैंक विकसित किया है। दिल्ली में 12 से 15 सितंबर, 2023 तक चलने वाली वैश्विक संगोष्ठी में श्रीमती लहरी बाई ने अपने सीड बैंक की प्रदर्शनी भी लगाई है।

### कृषि मंत्री श्री पटेल ने दी बधाई

किसान-कल्याण तथा कृषि विकास मंत्री श्री कमल पटेल ने श्रीमती लहरी बाई की अभूतपूर्व उपलब्धि पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मिलेट्स संरक्षण के लिए श्रीमती लहरीबाई द्वारा अदभुत कार्य किया गया है। उनके कार्य की सराहना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी भी प्रसिद्ध रेडियो प्रोग्राम "मन की बात" में कर चुके हैं। श्रीमती लहरी बाई ने सम्पूर्ण मध्यप्रदेश को गौरवान्वित किया है।

# मध्यप्रदेश में वर्षा की कमी से परेशान न हों किसान : श्री चौहान

भोपाल: श्री शिवराज सिंह चौहान ने मैहर की माँ शारदा से प्रदेश में वर्षा के लिए प्रार्थना की करते हुए कहा कि वर्षा के अभाव में किसान परेशान हैं, वर्षा के लिए उज्जैन महाकाल और ओरछा में श्री रामराजा से भी प्रार्थना की है। ईश्वर से यही प्रार्थना है कि प्रदेश में सूखे का संकट न आए, ईश्वर की कृपा और आशीर्वाद हम सब पर बना रहे।

### वर्षा की कमी की स्थिति में हम हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठेंगे

मुख्यमंत्री श्री चौहान ने कहा कि वर्षा की कमी की स्थिति में हम हाथ पर हाथ रखकर नहीं बैठेंगे। संकट होगा तो भी हम प्रदेशवासियों को संकट से निकालकर ले जाएंगे। सूखे के कारण बिजली की माँग बढ़ी है, इसकी पूर्ति के लिए भी हम प्रयास कर रहे हैं। नहरों में किसान के लिए पानी छोड़ दिया गया है, मैं सतत् रूप से स्थिति पर नजर रखे हूँ। ईश्वर न करे कि फसल खराब हो, लेकिन आवश्यकता हुई तो फसलों का सर्वे भी कराया जाएगा और मुआवजे के साथ-साथ फसल बीमा की राशि भी किसानों को उपलब्ध कराई जाएगी।

### सदस्यों के सुझाव पर अमल होगा : सहकारिता मंत्री

# राज्य बीज संघ की बैठक हुई

भोपाल : सहकारिता एवं लोक सेवा प्रबंधन मंत्री डॉ. अरविंद सिंह भदौरिया ने कहा है कि राज्य बीज संघ की साधारण सभा की बैठक में सदस्यों द्वारा दिये गये सभी सुझावों पर अमल किया जाएगा। उन्होंने प्रबंध संचालक बीज संघ के प्रबंध संचालक श्री ए.के. सिंह को निर्देशित किया कि सदस्यों के सुझाव पर विचार कर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएँ।

साधारण सभा की बैठक में वर्ष 2023-24 में प्रजनक बीज उठाव, वितरण एवं आधार-प्रमाणित बीज के उत्पादन और वितरण की प्रगति की जानकारी दी गई। बैठक में बताया गया कि खरीफ वर्ष 2024 के लिये विभिन्न फसलों के कुल 764.66 क्विंटल और रबी वर्ष 2024-25 के लिये 1004 क्विंटल प्रजनक बीज की माँग की गई है। वर्ष 2024-25 में विभिन्न फसल के किस्मों के आधार और प्रमाणित बीज उत्पादन और वितरण के लक्ष्य की जानकारी दी गई। बताया गया कि खरीफ के लिये 2.48 लाख क्विंटल और रबी के लिये 9.5 लाख क्विंटल बीज वितरण का लक्ष्य रखा गया है।

बैठक में बीज संघ के वित्तीय वर्ष 2021-22 के अंकेशित वित्तीय पत्रकों, वर्ष 2022-23 की आय-व्यय और वर्ष 2024-25 के लिये प्रस्तावित आय-व्यय को स्वीकृति दी गई।

# किसान संघों एवं जिला अधिकारियों की संयुक्त बैठक संपन्न

**धार:** कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर श्री अश्विनी कुमार रावत की अध्यक्षता में भारतीय किसान संघ, भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) एवं कृषि से संबद्ध विभागों के जिला अधिकारियों की संयुक्त बैठक कलेक्टर सभाकक्ष में आयोजित की गई।

बैठक में किसान संघ के पदाधिकारियों द्वारा कृषि फसलों में सिंचाई हेतु पर्याप्त बिजली एवं नहरों के अन्तिम छोर तक पानी पहुंचाने हेतु मांग की गई। जिस संबंध में श्री रावत द्वारा एमपीइबी एवं एनव्हीडीए के अधिकारी को कृषि सिंचाई हेतु बिजली के झूलते हुए बिजली के तारों को समय पूर्व दूरस्थ करने एवं सिंचाई हेतु पर्याप्त बिजली उपलब्ध तथा रबी सीजन में नहरों को दुरुस्त करने एवं अन्तिम छोर तक पानी पहुँचाने के लिए निर्देशित किया गया। बैठक में उप संचालक कृषि से अवर्षा एवं सूखे से प्रभावित फसलों के संबंध में जानकारी ली गई तथा खरीफ फसलों के फसल बीमा के दिशा निर्देश अनुसार अधिसूचित फसल अनुसार हल्के में खराब फसल एवं कीट व्याधि से प्रभावित फसल हल्के में ग्राउण्ड टू थिंग के निर्देश दिये गये।

कृषि विज्ञान केंद्रों के वैज्ञानिकों द्वारा सोयाबीन एवं कपास में लगने वाले कीट जैसे सेमीलुपर के नियंत्रण हेतु क्लोरोपायरी फॉस साईपरमेथीन दवाई का 1.5 से 2.00 एमएल प्रति लीटर पानी मे घोल बनाकर छिड़काव करें इसी प्रकार तम्बाकु की इल्ली के नियंत्रण हेतु थायोमिथाक्झाम लेमडा सायहेलोथ्रीन 1 से 1.5 एमएल प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। कपास के पिंक बालवर्म इल्ली के नियंत्रण हेतु बायलोजिकल नियंत्रण के रूप में फेरोमेन टेप 6 से 8 प्रति एकड़ लगाने एवं माईट कीट व्याधि के नियंत्रण हेतु अनुसंशित कीटनाशक दवाइयों का उपयोग करने की सलाह दी गई। बैठक में बताया गया कि अधिक जानकारी के लिए स्थानीय कृषि अधिकारियों एवं कृषि विज्ञान केंद्रों से सतत सम्पर्क करें। इस अवसर पर भारतीय किसान संघ मनावर से श्री नरेन्द्र पाटीदार, भारतीय किसान यूनियन से जिलाध्यक्ष श्री राजेश मारू, जिला महासचिव श्री जीवन पाटीदार एवं ब्लॉक अध्यक्ष श्री नागेश्वर पाटीदार, भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) के प्रदेश संगठन मंत्री श्री वीरेंद्र पाटीदार तथा श्री ज्ञान सिंह मोहनिया ,उप संचालक कृषि, श्री एम.एस.मुझाल्दा ,उप संचालक उद्यानिकी , डॉ. जी.डी.वर्मा ,उप संचालक पशुपालन सहित फसल बीमा कम्पनी के जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय प्रतिनिधि उपस्थित थे।

# एमपी किसान एप से किसान अपनी फसल की जानकारी दर्ज़ कर सकेंगे

**इंदौर:** "मेरी गिरदावरी- मेरा अधिकार" में अब किसान निश्चिंत होकर अपनी फसल की जानकारी एमपी किसान एप के माध्यम से दर्ज कर सकेंगे। इस जानकारी का उपयोग फसल हानि, न्यूनतम समर्थन मूल्य योजना, भावांतर योजना, किसान क्रेडिट कार्ड और कृषि ऋण में किया जायेगा। किसान की इस जानकारी का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एवं पटवारी से सत्यापन होगा। मेरी गिरदावरी-मेरा अधिकार में किसान को यह सुविधा उपलब्ध करवाई गई है, कि वे अपने खेत से ही स्वयं फसल की जानकारी एमपी किसान एप पर दर्ज कर अपने आप को रजिस्टर सकते हैं। इस एप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। किसान एप पर लॉगिन कर फसल स्व-घोषणा, दावा आपत्ति आप्शन पर क्लिक कर अपने खेत को जोड़ सकते हैं। खाता जोड़ने के लिये प्लस ऑप्शन पर क्लिक कर जिला/तहसील/ग्राम/खसरा आदि का चयन कर एक या अधिक खातों को जोड़ा जा सकता है। खाता जोड़ने के बाद खाते के समस्त खसरा की जानकारी एप में उपलब्ध होगी। उपलब्ध खसरा की जानकारी में से किसी भी खसरे पर क्लिक करने पर ए आई के माध्यम से जानकारी उपलब्ध होगी।

# मछुआ सहकारी समिति में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केंन्द्र जबलपुर द्वारा गंगा मैया मछुआरा सहकारी समिति मर्यादित मगरहटा जिला कटनी (म.प्र.) में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रशिक्षक पीयूष राय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री पूरन सिंह उपाध्यक्ष श्री प्रताप सिंह, सदस्यो मे जगदीश सिंह, संजू तथा समिति के अन्य सदस्यों ने प्रशिक्षण मे भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक पीयूष राय ने प्रशिक्षार्थियो को सहकारिता के महत्व तथा समिति के संचालन के संबंध मे जानकारी दी और प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलता पूर्वक पूरा किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने बडी संख्या में प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम के अन्त मे श्री प्रताप सिंह ने आभार व्यक्त किया।

## मछुआ समिति रुमाल में प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर, मछुआ सहकारी समिति मर्यादित रूमाल जिला सिवनी मे एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक जय कुमार दुबे व्दारा किया गया। जिसमे समिति के अध्यक्ष श्री सुमारू लाल कहार, सचिव श्रीमति कविता जी के साथ समिति के अन्य सदस्य भी उपस्थित रहे, कार्यक्रम मे प्रशिक्षक जय कुमार दुबे ने, समिति को सूचारू रूप से चलाने के लिए सहकारिता के उद्देश्य, प्रबंध कमेटी के गठन तथा सदस्यो की योग्यताएँ, अयोग्यताओ के संबध मे चर्चा करते हुए प्रशिक्षण दिया।

## मछुआ समिति खुरसरा में प्रशिक्षण सम्पन्न

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक जय कुमार दुबे व्दारा एक दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन मछुआ सहकारी समिति मर्यादित खुरसरा जिला सिवनी मे किया गया। कार्यक्रम में समिति के सचिव श्री प्रहलाद सिंह जी तथा समिति के सदस्य हरिराम, रामेश्वर, कपिल, जनक, आशाराम, कालूराम, हीराराम, संतोष, शिवकुमार सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आभार करते हुए प्रशिक्षक जय कुमार दुबे ने सभी उपस्थित सदस्यों को सहकारिता के महत्व, समिति मे होने वाली बैठको के संबंध मे जानकारी प्रदान की गई।

## अमृतांजल में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक अखिलेश उपाध्याय द्वारा डिंडोरी जिला के अंतर्गत ग्राम खरगना में अमृतांजल मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। जिसमें समिति के अध्यक्ष श्री राम कृष्ण आयाम, उपाध्यक्ष अशोक मरावी, सचिव श्री राकेश आयाम, सदस्य चेतराम मरावी, सरजू मरावी, टेकचंद आयाम, सेमरा बाई, तुलसा बाई, एवं संभावित सदस्य भारी संख्या में उपस्थित रहे प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षक अखिलेश उपाध्याय द्वारा समिति के गठन, सहकारिता के महत्व, साइबर क्राइम, सदस्यों के कर्तव्य, के विषय में प्रशिक्षण दिया गया।

### संगम टोला में प्रशिक्षण शिविर

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केंद्र जबलपुर के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक अखिलेश उपाध्याय द्वारा डिंडोरी जिला के अंतर्गत त्रिवेणी मत्स्य सहकारी समिति मर्यादित संगम टोला में एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में समिति का गठन, सहकारिता का महत्व, सहकारिता में नवाचार, विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया।

## पैक्स कम्प्यूटरीकरण परियोजना पर प्रशिक्षण सम्पन्न

**रतलाम।** जिला सहकारी केन्द्रीयय बैंक मर्यादित रतलाम के सभाग्रह मे सहकारिता विभाग बैंक एवं सोसायटी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पैक्सा कम्प्यूटरीकरण परियोजना पर सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र इंदौर के कम्प्यूटर प्रशिक्षक श्री शिरीष पुरोहित द्वारा विस्तृत जानकारी की प्रदान गई।

## मत्स्योधोग सहकारी समिति मर्यादित देवराकला प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केंन्द्र जबलपुर द्वारा मत्स्योधोग सहकारी समिति मर्यादित देवराकला जिला कटनी (म.प्र.) में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक पीयूष राय द्वारा किया गया।

कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री कमलेन्द्र बर्मन उपाध्यक्ष श्रीमति लीला बाई, सदस्यो मे रमेश कुमार बर्मन, श्याम लाल बर्मन तथा समिति के अन्य सदस्यो ने प्रशिक्षण मे भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षार्थियो को सहकारिता के उद्देश्यो तथा आम सभा की बैठको और नए क्षेत्रों मे समितियों के गठन हेतु चर्चा की गई । प्रशिक्षण कार्यक्रम में समिति के सदस्यों ने बडी संख्या में प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम के अन्त मे समिति के अध्यक्ष श्री कमलेन्द्र बर्मन ने आभार व्यक्त किया।

## आदिवासी मछुआ समिति में प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

जबलपुर, सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र, जबलपुर के जिला सहकारी शिक्षा प्रशिक्षक पीयूष राय व्दारा एक दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन आदिवासी मत्स्योधोग सहकारी समिति मर्यादित जिजनौड़ी जिला कटनी मे किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष श्री हीरा लाल कोल तथा समिति के सदस्य श्रीमति सुखमंती बाई, दल्लू, शत्रुघन कोल, मुन्ना लाल, रतन लाल सहित अनेक सदस्य उपस्थित रहे। प्रशिक्षण में प्रशिक्षक पीयूष राय ने सभी उपस्थित सदस्यों को सहकारिता के सिद्धान्त, समिति के कार्यप्रणाली तथा सदस्यो के कर्तव्यो के संबंध मे जानकारी प्रदान करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम को सफलता पूर्वक संपन्न किया। कार्यक्रम के अन्त मे श्री हीरा लाल कोल ने आभार व्यक्त किया।

# जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित,

## कोर्टरोड, शिवपुरी (म.प्र.)

## बैलेंसशीट पत्रक वर्षांत 31 मार्च 2023 की स्थिति पर

| गत वर्षान्त पर शेष 31.03.2022 | | विवरण देनदारियां | | इस वर्षान्त पर शेष 31.03.2023 |
|---|---|---|---|---|
| **18,55,67,365.54** | 1 | अंशपूंजी | | **18,57,97,338.54** |
| 50,00,00,000.00 | | (अ) अधिकृत अंशपूंजी | 50,00,00,000.00 | |
| | | (ब)अभिदत्त अंशपूंजी | | |
| | | अंशो में प्रति अंश रूपय | | |
| | | अंशो मेंप्रति अंश रूपय | | |
| | | नाम मात्र के सदस्यों से अंश में | | |
| | | (स)प्रदत्त अंशपूंजी | | |
| | | अंशो में प्रति अंश रूपय | | |
| | | जिसमे से .....बकाया काल्स के कम करने पर | | |
| | | नाम मात्र के सदस्यों से अंश में | | |
| | | उक्त तीन मे से धारित | | |
| 4,44,63,540.00 | | 1-शासन द्वारा | 4,44,63,540.00 | |
| 14,00,44,940.54 | | 2-समितियों द्वारा | 14,02,74,913.54 | |
| 10,58,885.00 | | 3-व्यक्तिगत नाम मात्र सदस्यों द्वारा | 10,58,885.00 | |
| **96,73,18,799.99** | 2 | आरक्षित निधि एवं अन्य रिजर्व :- | | **96,84,69,959.99** |
| 2,83,81,167.48 | | रक्षित कोष | 2,83,81,167.48 | |
| 1,75,72,897.10 | | कृषि साख स्था. निधि | 1,75,72,897.10 | |
| 4,29,49,212.90 | | भवन निधि | 4,29,49,212.90 | |
| 66,21,375.72 | | वहन निधि | 66,21,375.72 | |
| 11,82,578.72 | | प्रशिक्षण निधि | 11,82,578.72 | |
| 29,49,636.59 | | सहकारी विकास निधि | 29,49,636.59 | |
| 67,59,479.35 | | अंश विमोचन रिजर्व | 67,59,479.35 | |
| 11,51,49,000.00 | | रिवेल्यूवेशन फिक्सअसेट फण्ड | 11,51,49,000.00 | |
| 94,70,500.00 | | विनियोग अस्थिरता संचय | 94,70,500.00 | |
| - | | विशेष डूबन्त संदिग्ध निधि हेतु प्रावधान | - | |
| - | | संदिग्ध एवं डूबंत ग्रामीण क्षेत्र | - | |
| 63,67,84,141.79 | | डूबन्त एवंसंदिग्ध निधि हेतु प्रावधान | 63,67,84,141.79 | |
| 37,06,551.16 | | स्टेन्डर्ड असेस्टस हेतु प्रावधान | 37,06,551.16 | |
| 1,34,98,544.30 | | स्ब स्टेन्डर्ड असेस्टस हेतु प्रावधान | 1,34,98,544.30 | |
| 67,233.25 | | लाभांश समीकरणनिधि हेतु प्रावधान | 67,233.25 | |
| 60,904.00 | | विनियोजित निधियां हेतु प्रावधान | 60,904.00 | |

| गत वर्षान्त पर शेष 31.03.2022 | | विवरण लेनदारियां (सम्पत्ति एवं आस्तियां) | इस वर्षान्त पर शेष 31.03.2023 | |
|---|---|---|---|---|
| | | सिलक एवंबैंक बैलेस | | |
| 1,35,12,485.00 | 1 | नगद रोकड़ तिजोरी में तथा रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया, स्टेट बैंक, सेन्ट्रल को-ऑपरेटिव बैंक, राज्य सहकारी बैंक | | **26,20,541.00** |
| **5,49,62,187.89** | 2 | सिलक अन्य बैंकों मे | | **65,94,753.72** |
| | | 1-चालू अमानत | | |
| 2,06,80,733.78 | | अ-भारतीय स्टेट बैंक | (2,74,323.07) | |
| 2,22,69,487.02 | | ब-अन्यराष्ट्रीयकृत बैंक | 21,99,542.29 | |
| 1,20,11,967.09 | | स –म0 प्र0 राज्य सहा बैंक | 46,69,534.50 | |
| **6,26,76,121.99** | | 2-मुद्दतीअमानत | | **4,26,36,235.92** |
| 3,00,00,000.00 | | अ-म0 प्र0 राज्य सहक बैंक | 50,00,000.00 | |
| 2,46,45,502.00 | | ब-रक्षित निधि शीर्ष बैंक | 2,77,55,148.00 | |
| - | | स-भारतीय स्टेट बैंक | 10,00,000.00 | |
| - | | द-अन्य सावधि जमा | 8,50,467.93 | |
| 80,30,619.99 | | इ-सेन्ट्रल बैंक | 80,30,619.99 | |
| | 3 | मांग और अल्प सुचना पर प्रतिदेय राशि | | |
| **64,84,01,000.00** | 4 | विनियोग | | **62,84,00,890.00** |
| 60,40,00,000.00 | | 1-केन्द्रीय एवं राज्य शासन की प्रतिभतियो | 58,40,00,000.00 | |
| - | | 2-अमानती प्रतिभूतियो मे | - | |
| 4,44,01,000.00 | | 3-सहकारी संस्थाओ के अंशो मे | 4,44,00,890.00 | |
| | 5 | ऋण एवं अग्रिम | | 3,07,33,19,017.07 |
| 3,13,68,99,336.08 | | अ-अल्पावधि ऋण, नगदी साख, अधिविकर्ष तथा विलो मे | 3,07,33,19,017.07 | |
| | | 1-शासकीय प्रतिभूतियों | | |
| | | 2-अन्य ठोस प्रतिभूतियो पर | | |
| | | 3-व्यक्तिगत ऋण वांकी | | |
| | | 4-कालातीत वांकी | | |
| | | 5-अवमानक संदिग्ध डूबन्त ऋण | | |

| गत वर्षान्त पर शेष 31.03.2022 | | विवरण देनदारियां | | इस वर्षान्त पर शेष 31.03.2023 |
|---|---|---|---|---|
| 3,18,06,357.01 | | कर्मचारी उपादान | 3,18,06,357.01 | |
| 16,825.64 | | सामान्य हितनिधि | 16,825.64 | |
| 1,997.00 | | धर्मार्थ निधि | 1,997.00 | |
| 807.00 | | कर्मचारी हित निधि | 807.00 | |
| 28,967.38 | | वोनस रिजर्व हेतु प्रावधान | 28,967.38 | |
| - | | अन्य निधियां हेतु प्रावधान | - | |
| - | | केपीटल रिजर्व हेतु प्रावधान | - | |
| 5,02,37,000.00 | | अन्य प्रावधान | 5,13,88,160.00 | |
| 73,623.60 | | केपीटल रिजर्व अन्य | 73,623.60 | |
| **3,17,24,07,749.14** | 3 | अमानते : | | **3,02,23,34,514.33** |
| **1,12,00,78,419.82** | | (अ) मुद्दती अमानते | **1,03,10,40,977.62** | |
| 1,00,74,19,348.12 | | 1-व्यक्तिगत अमानते | 92,23,25,351.92 | 92,23,25,351.92 |
| - | | 2-केन्द्रीय सहकारी बैंक | | |
| 11,26,59,071.70 | | 3-अन्य सहकारी समितियां | 10,87,15,625.70 | 10,87,15,625.70 |
| **1,97,72,25,381.64** | | (ब) बचत अमानते | **1,92,10,11,637.18** | |
| 1,76,58,94,239.96 | | 1-व्यक्तिगत अमानते | 1,67,24,22,269.20 | 1,67,24,22,269.20 |
| - | | 2-केन्द्रीय सहकारी बैंक | | |
| 21,13,31,141.68 | | 3-अन्य सहकारी समितियां | 24,85,89,367.98 | 24,85,89,367.98 |
| **7,51,03,947.68** | | (स) चालू अमानते | **7,02,81,899.53** | |
| 3,34,98,948.75 | | 1-व्यक्तिगत अमानते | 3,05,37,526.45 | 3,05,37,526.45 |
| - | | 2-केन्द्रीय सहकारी बैंक | | |
| 4,16,04,998.93 | | 3-अन्य सहकारी समितियां | 3,97,44,373.08 | 3,97,44,373.08 |
| - | | (द) आहूत एवं अल्पकालीन अमानते | | |
| **64,28,92,750.00** | 4 | उधार | | **64,28,92,750.00** |
| | | भारतीय रिजर्व बैंक, राष्ट्रीयकृत बैंक, राज्य सहकारी बैंक | | |
| 63,90,00,000.00 | | (अ) अल्पकालीन ऋण नगद साख, अधिविकर्ष तथा बिलो मे इनमे से अन्य ठोस प्रतिभूति पर | 63,90,00,000.00 | |
| 38,92,750.00 | | (आ) मध्यम अवधि ऋण इसमे शासन प्रतिभूतियो पर, इनमे से अन्य ठोस | 38,92,750.00 | |
| - | | (इ)दीर्घकालीन | - | |
| 1,32,29,270.00 | 5 | देने योग्य बिल : | | **1,32,29,270.00** |
| **(4,30,63,035.55)** | 6 | शाखाओ काजमाखर्च: | | **(23,81,24,475.05)** |
| | | | | |
| **22,86,60,931.06** | 7 | कालातीतब्याज रिजर्व | | **22,86,60,931.06** |
| **9,13,85,278.24** | 8 | ब्याज देय | | **8,59,20,624.50** |

| गत वर्षान्त पर शेष 31.03.2022 | | विवरण लेनदारियां (सम्पत्ति एवं आस्तियां) | इस वर्षान्त पर शेष 31.03.2023 | |
|---|---|---|---|---|
| 13,90,96,547.98 | | ब-मध्यकालीन | 13,92,84,270.51 | 13,92,84,270.51 |
| | | 1-इसमे से शासकीय प्रतिभूतियों पर | | |
| | | 2-अन्य ठोस प्रतिभूतियो पर | | |
| | | 3-व्यक्तिगत ऋण वांकी | | |
| | | 4-कालातीत वांकी | | |
| 18,90,391.00 | | स-दीर्घावधि | 19,03,986.00 | 19,03,986.00 |
| | | 1-इसमे सेशासकीय प्रतिभूतियों पर | | |
| | | 2-अन्य ठोस प्रतिभूतियो पर | | |
| | | 3-व्यक्तिगत ऋण वांकी | | |
| | | 4-कालातीत वांकी | | |
| 13,57,31,412.68 | 6 | व्याज लेनावांकी | **13,50,36,064.68** | **13,50,36,064.68** |
| | | 1-कालातीत ऋणो पर | | |
| | | 2-चालू ऋणो पर | | |
| | | 3-ऋण राहत शासन से | | |
| 15,77,769.00 | 7 | बिल्सरिसीवएवल एज पर कान्ट्रा | **15,77,769.00** | **15,77,769.00** |
| - | 8 | शाखासमायोजन | - | |
| **1,34,769.16** | 9 | भवन | | **2,14,881.44** |
| 9,44,879.56 | | 1-पुस्तक मूल्य | 10,48,867.56 | |
| 8,10,110.40 | | 2-कम किया अवक्षयण | 8,33,986.12 | |
| **16,99,837.80** | 10 | साज सज्जा | | **15,61,883.22** |
| 55,58,391.58 | | 1-पुस्तक मूल्य | 55,93,979.58 | |
| 38,58,553.78 | | 2-कम किया अवक्षयण | 40,32,096.36 | |
| **94,555.17** | 11 | कम्प्यूटर | | **1,04,733.11** |
| 46,90,218.50 | | 1-पुस्तक मूल्य | 47,50,218.50 | |
| 45,95,663.33 | | 2-कम किया अवक्षयण | 46,45,485.39 | |
| **94,375.67** | 12 | ऑफिस इक्यूपमेंट | | **84,938.10** |
| 2,04,476.24 | | 1-पुस्तकमूल्य | 2,04,476.24 | |
| 1,10,100.57 | | 2-कम किया अवक्षयण | 1,19,538.14 | |
| **14,64,850.31** | 13 | वाहन | | **12,45,122.76** |
| 26,31,387.00 | | 1-पुस्तक मूल्य | 26,31,387.00 | |
| 11,66,536.69 | | 2-कम किया अवक्षयण | 13,86,264.24 | |
| **11,51,49,000.00** | 14 | भूमि | | **11,51,49,000.00** |
| **31,88,94,470.53** | 15 | अन्यलेन दारियां | | **33,13,96,515.96** |

| गत वर्षान्त पर शेष 31.03.2022 | | विवरण देनदारियां | | इस वर्षान्त पर शेष 31.03.2023 |
|---|---|---|---|---|
| **(62,61,19,998.16)** | 9 | अन्यदेनदारियां | | **(42,80,50,310.88)** |
| **1,53,09,265.01** | | अ-सस्पेंश | | **1,52,99,541.03** |
| **(64,14,29,263.17)** | | ब-विविध देनदारियां | | **(44,33,49,851.91)** |
| 7,77,48,425.00 | | 1-सण्ड्रीक्रेडिटर्स | 7,30,35,158.42 | |
| (21,20,904.52) | | 2-फुटकर देनदारियां | (21,20,904.52) | |
| 5,20,312.00 | | 3-अंकेक्षणशुल्क | 5,15,502.00 | |
| 1,10,59,762.41 | | 4- सार्वजनिक वितरण प्रणाली के देय | 1,13,70,681.58 | |
| 2,29,69,601.82 | | 5- लैव्ही | 2,28,56,419.17 | |
| 35,31,130.82 | | 6- कैश केडिट खाद | 38,85,999.30 | |
| 17,59,953.29 | | 7- कैश केडिट विपणन | 14,68,253.45 | |
| 3,64,849.42 | | 8- म्यादीअमा० के तारण पर ऋण | 6,06,885.62 | |
| (1,367.50) | | 9-शासकीय ऋण ज्वाइंट फार्मिंग | (1,367.50) | |
| 1,68,510.00 | | 10-वोनस देय | 1,68,510.00 | |
| 23,293.75 | | 11-वेतनदेय | 23,293.75 | |
| 40,055.81 | | 12-प्रोत्साहन राशि | 40,055.81 | |
| (2,74,40,957.77) | | 13-संवर्ग निधि | (2,83,17,162.77) | |
| 4,08,978.82 | | 14-भविष्य निधि कर्मचारी | 4,94,681.82 | |
| 19,699.00 | | 15-बचत बैंक गारंटी | 19,699.00 | |
| 3,15,694.25 | | 16-परिवार कल्याण कोष | 3,32,773.25 | |
| (12,016.25) | | 17-समूह बीमा | (15,742.25) | |
| 44,777.00 | | 18-एलआईसी | 42,550.00 | |
| (1,38,99,704.80) | | 19-फर्टीलाइजर सेल्स कलेक्शन | 18,58,55,437.93 | |
| 29,43,402.31 | | 20-टीडीएस पे विल | 25,36,865.00 | |
| 4,07,150.16 | | 22-जीएस टीप बिल | 42,649.36 | |
| 17,72,779.00 | | 23-सर्विस टेक्स | 22,98,358.00 | |
| 81,00,52,129.83 | | 24-अन्य दायित्व | 86,98,30,673.63 | |
| (15,73,81,277.55) | | 25-नेफ्ट अन्तर | (15,80,99,295.39) | |
| - | | 26-छात्रवृति | - | |
| (1,37,47,23,539.47) | | 27-लाम/हानि | **(1,43,02,19,826.57)** | |
| **4,63,22,79,110.26** | | | | **4,48,11,30,602.49** |

| गत वर्षान्त पर शेष 31.03.2022 | | विवरण लेनदारियां (सम्पत्ति एवं आस्तियां) | इस वर्षान्त पर शेष 31.03.2023 | |
|---|---|---|---|---|
| 1,954.00 | | 1-अनाज अग्रिम स्टाफ | 1,954.00 | |
| 56,611.00 | | 2-वेतन /प्रवास अग्रिम | 56,611.00 | |
| 550.00 | | 3-त्यौहार अग्रिम | 550.00 | |
| 1,70,630.22 | | 4-टीडीएस | 1,70,630.22 | |
| - | | 5-अग्रिमआयकर | - | |
| 29,29,215.42 | | 6-जीएसटीइनपुट | 49,82,585.21 | |
| 3,85,223.27 | | 8-लेखनसामग्री | 3,86,354.07 | |
| 26,307.33 | | 9-पुस्तकालय | 26,307.33 | |
| 10,06,101.74 | | 10-फार्सएवं पंजियां | 9,67,106.45 | |
| 7,22,475.00 | | 11- Clearing house | 7,22,475.00 | |
| 23,19,399.00 | | 12-संडीडेटर्स | 23,68,148.00 | |
| 99,71,913.17 | | 13-अन्य | 99,86,023.17 | |
| 2,35,62,791.30 | | 14-एल आईसील टस्टी फण्ड | 2,53,68,219.30 | |
| - | | 15-लाभांश प्राप्य एपेक्स बैंक | - | |
| 5,71,250.00 | | 16-प्रीमियम परिशोधन | 4,73,250.00 | |
| 1,13,81,667.78 | | 17-उपार्जित ब्याज | 1,13,81,667.78 | |
| 29,69,203.64 | | 18-राज्य शासन डीएमआर राशि प्राप्य | 29,69,203.64 | |
| 28,09,506.00 | | 19-केडरफण्ड वेतन समिति प्रबंधक | 28,09,506.00 | |
| 74,71,891.51 | | 20-केडरफण्ड वसूली योग्य | 70,60,130.51 | |
| 1,617.32 | | 21-लेव्ही पूल फण्ड | 1,617.32 | |
| 5,67,969.00 | | 22-शीर्ष बैंक से लेना शेष | 5,67,969.00 | |
| 2,96,603.10 | | 23-जवाहर रोजगार योजना | 2,96,603.10 | |
| 11,502.50 | | 24-संयुक्त ऋण ज्वाइंट फार्मिंग | 11,502.50 | |
| 1,96,89,074.93 | | 25 अन्य सम्पत्ति | 1,12,69,846.06 | |
| 3.34 | | 26-सिक्योरिटी सेटलमेंट | 3.34 | |
| 72,693.00 | | 27-अन्य व्यवसायिक सम्पत्ति | 72,693.00 | |
| 1,35,74,376.00 | | 28-शासन सेमूल लेना | 1,35,74,376.00 | |
| 72,30,808.00 | | 29-शासन सेब्याज लेना | 72,30,808.00 | |
| 21,10,93,132.96 | | 30-पेक्ससे लेना | 22,86,40,375.96 | |
| **4,63,22,79,110.26** | | | | **4,48,11,30,602.49** |

### कार्यालय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या० शिवपुरी (म०प्र०)
### कोर्ट रोड शिवपुरी (म.प्र.)
### लाभ हानि पत्रक वर्ष 2022-23

| गत वर्षान्त पर शेष 31-03-2022 | | | इस वर्षान्त पर शेष 31-03-2023 |
|---|---|---|---|
| | | अन्य | |
| 29,42,68,978.64 | 1 | ब्याज एवं छट | 14,39,82,272.76 |
| 2,84,226.65 | 2 | कमीशन, विनिमय एवं दलाली | 2,61,048.80 |
| - | 3 | सब्सिडीतथा अनुदान | - |
| - | 4 | गैर बैंकिग आस्तियों से हुई आय तथा ऐसी आस्तियों की बिक्री अथवा लेन देन से हुआ लाभ | - |
| 36,41,386.55 | | अन्य प्राप्तियां | 76,35,808.32 |
| **29,81,94,591.84** | | योग : | **15,18,79,129.88** |

### कार्यालय जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्या० शिवपुरी (म०प्र०)
### कोर्ट रोड शिवपुरी (म.प्र.)
### लाभ हानि पत्रक वर्ष 2022-23

| गत वर्षान्त पर शेष 31-03-2022 | | | गत वर्षान्त पर शेष 31-03-2023 |
|---|---|---|---|
| | | व्यय | |
| 21,46,37,104.93 | 1 | ब्याज दिया अमानत व ऋण पर | 14,78,46,924.75 |
| 3,50,57,713.00 | 2 | वेतन व भत्ते एवं भविष्य निधि | 4,57,62,957.00 |
| - | 3 | संचालक मण्डल एवं स्थानीय समितियों के सदस्यों का शुल्क एवं भत्ते | - |
| 9,64,900.00 | 4 | किराया, शुल्क, बीमा, बिजली आदि | 16,56,165.00 |
| 61,575.00 | 5 | विधि व्यय | 3,16,300.00 |
| - | 6 | आयकर | - |
| 65,170.00 | 7 | डाक, दूरलेख एवं दूरभाष | 41,120.33 |
| 1,47,610.00 | 8 | अंकेक्षण शुल्क | 12,64,466.00 |
| 5,37,600.00 | 9 | संपत्ति पर अवक्षयण एवं दुरुस्ती | 4,76,405.48 |
| 4,20,693.08 | 10 | लेखन सामग्री छपाई तथा विज्ञापन | 3,29,994.44 |
| 1,33,81,49,682.12 | 11 | मानक संदिग्ध एवं डूबत ऋण हेतु प्रावधान | - |
| 7,12,98,446.50 | 12 | कालातीत ब्याज हेतु प्रावधान | - |
| 1,15,77,636.68 | 13 | अन्य व्यय | 96,81,083.98 |
| - | 14 | ग्रेच्यूटी बैंक कर्मचारी | - |
| (1,37,47,23,539.47) | 15 | लाभ जो बैलेन्सशीट में ले जाया गया | (5,54,96,287.10) |
| **29,81,94,591.84** | | योग : | **15,18,79,129.88** |

**GUPTA JESWANI & COMPANY**
CHARTERED ACCOUNTANTS
DAL BAZAR TIRAHA, LASHKAR, GWALIOR (M.P.)- 474009
Email : rmgupta2006@yahoo.co.in - Mob : 9425111971
GSTIN : 23AAGFG3420Q1ZD

**AUDIT CLASSIFICATION OF JILA SAHAKARI KENDRIYA BANK MARYADIT, SHIVPURI**

Audit Classification for the Financial year 2022-23 is done as per the norms prescribed by the National Bank for Agriculture and Rural Development Department of supervision and according to guidelines issued by the NABARD, the rating to the Bank is given "C" as follows –

**SUMMARY OF MARKS**

| SR. NO. | PARAMETER | MAXIMUM MARKS | MARKS OBTAINED |
|---|---|---|---|
| 1. | Capital Adequacy | 15 | 0 |
| 2. | Asset Quality | 15 | 5 |
| 3. | Management | 10 | 8 |
| 4. | Earning | 10 | 0 |
| 5. | Liquidity | 15 | 5 |
| 6. | Systems and Control | 20 | 18.5 |
| 7. | Compliance | 15 | 10.5 |
| | TOTAL | 100 | 47.00 |

For : Gupta Jeswani & Co.
Chartered Accountants
(FRN : [illegible])

For Gupta Jeswani & Company
Chartered Accountants
(Ram Mohan Gupta)
FCA(Partner)

(CA Ram Mohan Gupta)
Sr. Partner
M. No. 070955

Date : 30.06.2023
Place : Gwalior
UDIN : 23070955BGVGYP3141

21

राष्ट्रीय कृषि विस्तार प्रबंध संस्थान (मैनेज)
(कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार का संगठन)
**NATIONAL INSTITUTE OF AGRICULTURAL EXTENSION MANAGEMENT**
(An Organization of Ministry of Agriculture and Farmers Welfare Govt. of India)

**Nodal Training Institute (NTI)**
**मध्यप्रदेश राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल**
**(M.P. State Cooperative Union Ltd. Bhopal)**
**E-8/77 Trilanga Road, Shahpura Bhopal -462039**

# Diploma in Agricultural Extension Services for Input Dealers (DAESI)
# डिप्लोमा इन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सर्विसेज फॉर इनपुट डीलर्स (देसी)
# "इनपुट डीलरों के लिए कृषि विस्तार सेवाओं में डिप्लोमा" (देसी)

**शीघ्र आयें प्रवेश पायें**

**उद्देश्य :** इस कार्यक्रम का उद्देश्य प्रैक्टिसिंग एग्रीकल्चरल इनपुट्स डीलर्स को पैरा–एक्सटेंशन प्रोफेशनल्स में बदलना है। जिससे एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन सिस्टम को मजबूत किया जा सके। इससे इनपुट डीलर्स को किसानों की बेहतर सेवा करने में मदद मिलेगी जिससे :–

- इनपुट के कुशल संचालन में इनपुट डीलरों की क्षमता का निर्माण।
- कृषि आदानों के विनियमन को नियंत्रित करने वाले कानूनों के बारे में ज्ञान प्रदान करना।
- किसानों के लिए इनपुट डीलरों को ग्रामीण स्तर पर कृषि संबंधी जानकारी का एक प्रभावी स्त्रोत (वन स्टॉप शॉप) बनाना।

## एग्रीकल्चर में डिप्लोमा कोर्स क्यों करें?

- एग्रीकल्चरल डिप्लोमा एग्रीकल्चर या जैविक प्रक्रिया से संबंधित है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य तकनीकी स्तर पर मानव संसाधन का विकास कर एग्रीकल्चर उद्योग की प्रगति करना है।
- इस कोर्स में किसी भी एग्रीकल्चर उद्योग में काम करने वाले श्रमिकों के कौशल को बढ़ाया जाता है।
- एग्रीकल्चर में डिप्लोमा कोर्स के साथ छात्र 10वीं के बाद से ही अपने प्रारंभिक करियर की शुरुआत कर सकते हैं।
- इस कोर्स के जरिए एग्रीकल्चर उद्योग में आवश्यक कौशल सीखने से अच्छी गुणवत्ता वाले उत्पादों का उत्पादन करने में मदद मिलेगी क्योंकि गुणवत्ता वाले उत्पादों की मांग अधिक है।
- कृषि डिप्लोमा कोर्स छात्रों के सामने करियर के विभिन्न अवसर खोलता है। बड़ी–बड़ी नामी कम्पनियां जैसे–ITC, Britannia, Godrej आदि डिप्लोमा छात्रों को इंटर्नशिप भी ऑफर करती हैं।
- ग्रामीण रोजगारोन्मुखी व्यवसाय को बढ़ावा देने के लिये ग्रामीण स्तर पर बीज, खाद, कीटनाशक या दवाई की दुकान के लाइसेंस की आवश्यकता होती है। वर्तमान में लाइसेंस लेने के लिए युवक–युवतियों को परेशानी न हो इसके लिए राज्य कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण संस्थान भोपाल, आत्मा एवं म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्या. भोपाल के सहयोग से देसी कोर्स की शुरूआत की गयी है।

## इन विषयों पर मिलेगा प्रशिक्षण :–

**सैद्धांतिक प्रशिक्षण के अंतर्गतः–**

| क्र | विषय |
|---|---|
| 1. | मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन। |
| 2 | वर्षा आधारित खेती। |
| 3. | बीज एवं बीज उत्पादन। |
| 4 | सिंचाई तकनीक एवं उनका प्रबंधन। |
| 5 | खरपतवार प्रबंधन। |
| 6 | कृषि उपकरण और मशीनरी की जानकारी। |
| 7 | कृषि में कीट एवं रोग नियंत्रण। |
| 8 | प्रमुख स्थानीय फसलों की फसल उत्पादन तकनीक। |
| 9 | कृषि आदानों से संबंधित अधिनियम, नियम एवं विनियम। |
| 10 | कृषि क्षेत्र से संबंधित शासन की विभिन्न योजनाएं एवं कृषि प्रसार तकनीक। |
| 11 | विस्तार दृष्टिकोण और तरीके। |
| 12 | प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना। |
| 13 | फसल बीमा योजना। |
| 14 | बीज, कीट व मण्डी अधिनियम। |
| 15 | उर्वरक अधिनियम। |

**व्यावहारिक प्रशिक्षण के अंतर्गतः–** व्यावहारिक प्रशिक्षण वर्ग के अंतर्गत कृषि से संबंधित संस्थान जैसे – कृषि विज्ञान केन्द्र, मृदा जांच प्रयोगशाला, कृषि महाविद्यालय/ कृषि विश्वविद्यालय, उद्यानकीय महाविद्यालय, क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान संस्थान एवं प्रगतिशील किसानों के प्रक्षेत्र पर प्रशिक्षणार्थियों को एक्सपोजर विजिट कराया जावेगा।

## अवधि – 01 वर्ष

यह कार्यक्रम 48 सप्ताह की अवधि का है जिसमें 40 कक्षा सत्र एवं 08 फील्ड विजिट है।

यह कोर्स सप्ताह में एक दिन (सरकारी अवकाश के दिन) आयोजित किया जाता है।

## पाठ्यक्रम शुल्क–

**देसी डी.डी. : "Diploma In Agriculture Extension Services For Input Dealers, Bhopal" के नाम की डी.डी. राशि रु. राशि रू. 20,000/–**

**शैक्षणिक योग्यता**–10 वीं उत्तीर्ण से लेकर डिग्रीधारक तक।

**कुल सीट** – 40

## आवश्यक दस्तावेज

- 10 वी उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- 12वी उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- स्नातक उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- स्नातकोत्तर उत्तीर्ण का प्रमाण पत्र
- जाति प्रमाण पत्र
- मूल निवासी प्रमाण पत्र
- आधार कार्ड
- दो पासपोर्ट साईज फोटो
- वैध लाईसेंस की प्रति (यदि आप कृषि इनपुट डीलर के रूप में काम कर रहे हैं)

**कार्यक्रम की अधिक जानकारी के लिए संपर्क सूत्र–**
07554034839, 9826821281, 9826876158, 8770995805
Website- www.mpscu.in, www.mpscuonline.in
Email : rajyasangh@yahoo.co.in

**म.प्र.राज्य सहकारी संघ मर्यादित, भोपाल द्वारा संचालित**
माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता विश्वविद्यालय भोपाल से सम्बद्ध

**शीघ्र आयें प्रवेश पायें**

**PGDCA**
(योग्यता - स्नातक उत्तीर्ण)
कुल फीस 9100/-

**DCA**
(योग्यता -10 +2 उत्तीर्ण)
कुल फीस 8100/-

संपर्क :-
**सहकारी कम्प्यूटर एवं प्रबंध प्रशिक्षण केंद्र**
ई- 8/77 शाहपुरा ,त्रिलंगा ,भोपाल
फोन : 0755-2926160 , 2926159
मो. 8770988938 , 9826876158 Website-www.mpscu.in
Web Portal-www.mpscuonline.in
Email-rajyasanghbpl@yahoo.co.in
**सहकारी प्रशिक्षण केन्द्र**
किला मैदान इंदौर, म.प्र. पिन – 452006
फोन- 0731-2410908 मो. 9926451862, 9755343053
Email - ctcindore@rediffmail.com

# प्रदेश सरकार की नीतियों व योजनाओं से किसानों की आय बढ़ी – कृषि मंत्री श्री पटेल

हरदा: कृषि मंत्री श्री कमल पटेल ने कहा है कि प्रदेश सरकार ने किसानों की आय बढ़ाने तथा खेती की लागत घटाने के लिये अनेक निर्णय लिये हैं तथा किसान हितैषी बहुत सी योजनाएं लागू की है, जिनसे किसानों की आर्थिक स्थिति में काफी सुधार आया है। श्री पटेल शुक्रवार को पॉलिटेक्निक कॉलेज के ऑडिटोरियम में उद्यानिकी विभाग द्वारा आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय कृषक संगोष्ठी व सेमिनार में मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्री गजेन्द्र शाह, कृषि स्थाई समिति के अध्यक्ष श्री ललित पटेल व जिला भाजपा अध्यक्ष श्री अमर सिंह मीणा के अलावा कृषि विज्ञान केन्द्र के कृषि वैज्ञानिक व अन्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद थे। कृषि मंत्री श्री पटेल ने इस अवसर पर उन्नत किसानों द्वारा लगाई गई जैविक कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी भी देखी। कृषि मंत्री श्री पटेल ने कहा कि सरकार ने फसल बीमा योजना तथा राजस्व पुस्तक परिपत्र के तहत प्राकृतिक आपदा की स्थिति में दी जाने वाली राहत राशि में काफी वृद्धि की है। साथ ही फसल के समर्थन मूल्य में हर वर्ष लगातार वृद्धि की जा रही है, जिससे किसानों को फसल का बेहतर मूल्य मिलने लगा है। उन्होंने कहा कि हरदा जिला प्रदेश का पहला शतप्रतिशत सिंचित जिला बनने जा रहा है। जिले में शीघ्र ही मोरन्ड गंजाल योजना तथा शहीद इलापसिंह उद्वहन सिंचाई योजना शुरू होंगी , जिनसे किसानों की सिंचाई क्षमता बढ़ेगी। शहीद इलापसिंह सिंचाई परियोजना से 118 गांव के किसान लाभान्वित होंगे।

म.प्र. राज्य सहकारी संघ मर्यादित भोपाल की ओर से प्रकाशक, मुद्रक गणेश प्रसाद मांझी द्वारा मध्यप्रदेश राज्य सहकारी मुद्रणालय परिमित, भोपाल से मुद्रित एवं ई-8/77, शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। प्रबंध सम्पादक : ऋतुराज रंजन, संपादक : गणेश प्रसाद मांझी डॉक पंजीयन क्रमांक : म.प्र./भोपाल/357/2021-23 मुद्रित पत्र रजि. नं./आर.एन./13063/1967, फोन : 2926159, 2926160, इस अंक में प्रकाशित रचनाओं में व्यक्त विचार लेखकों के अपने हैं जिनमें संपादकीय सहमति आवश्यक नहीं है।